भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 4262**

उत्तर देने की तारीख 01.04.2026

बुधवार, 25 चैत्र, 1948 (शक)

**पीएम-सेतु योजना के तहत आईटीआई का आधुनिकीकरण और एवीजीसी कौशल प्रदान करना**

4262. श्री के. आर. एन. राजेश कुमारः

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पीएम-सेतु योजना के तहत विशेषकर औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के आधुनिकीकरण के संबंध में वर्ष 2026-27 में मंत्रालय के बजट में 62 प्रतिशत की वृद्धि की रूपरेखा क्या है;

(ख) एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (एवीजीसी) क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए माध्यमिक विद्यालयों में स्थापित 15,000 कंटेंट क्रिएटर प्रयोगशालाओं को कब तक चालू किया जाएगा; और

(ग) सेमीकंडक्टर और ग्रीन हाइड्रोजन उद्योगों की उभरती आवश्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रीय कौशल अर्हता ढ़ाचा (एनएसक्यूएफ) को संरेखित करने के लिए कौन-से विशिष्ट उपाय किए गए हैं?

**उत्तर**

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) वित्तीय-वर्ष 2026-27 के लिए कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) की योजनाओं हेतु कुल बजट अनुमान (बीई) आबंटन ₹9,540.50 करोड़ है, जो वित्तीय-वर्ष 2025-26 के ₹5,749.90 करोड़ की तुलना में अधिक है। यह उल्लेखनीय वृद्धि मुख्यतः उन्नत आईटीआई के माध्यम से प्रधानमंत्री कौशल विकास और रोजगार योग्यता (पीएम-सेतु) परिवर्तन योजना के लिए बढ़े हुए परिव्यय के कारण है। वित्तीय-वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 के लिए योजना-वार बजट अनुमान निम्नानुसार है:

| क्र.सं. | योजना | बजट अनुमान (करोड़ रु. में) | |
|---|---|---|---|
| | | वर्ष 2025-26 | वर्ष 2026-27 |
| **क. केंद्रीय क्षेत्र योजनाएँ** | | | |
| 1. | कुशल भारत कार्यक्रम [प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) + जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) + प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना (पीएम-एनएपीएस)] | 2,700.00 | 2,800.00 |
| 2. | कौशल वास्तुकला में एकीकृत योजना | - | 600.00 |
| **ख. केंद्रीय प्रायोजित योजनाएँ** | | | |
| 3. | संस्थागत प्रशिक्षण के लिए बुनियादी कार्यढांचे का सुदृढ़ीकरण (एसआईआईटी) | 49.90 | 0.00 |
| 4. | पीएम-सेतु (उन्नत आईटीआई के माध्यम से प्रधानमंत्री कौशल विकास और रोजगार परिवर्तन योजना) | 3,000.00 | 6,140.50 |
| | **कुल (योजनाएं)** | **5,749.90** | **9,540.50** |

पीएम-सेतु योजना के अंतर्गत निम्नलिखित दो घटक सम्मिलित हैं:

(i) घटक-I - हब एवं स्पोक मॉडल के अंतर्गत 1,000 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) (200 हब आईटीआई एवं 800 स्पोक आईटीआई) का उन्नयन, जिसमें स्मार्ट कक्षाओं, आधुनिक प्रयोगशालाओं, डिजिटल सामग्री और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप नए पाठ्यक्रमों की स्थापना सम्मिलित है।

(ii) घटक-II - भुवनेश्वर, चेन्नई, हैदराबाद, कानपुर एवं लुधियाना स्थित पांच राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) की क्षमता वृद्धि, जिसमें वैश्विक साझेदारियों के माध्यम से प्रशिक्षकों के उन्नत प्रशिक्षण पर विशेष बल देते हुए क्षेत्र-विशिष्ट राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना सम्मिलित है।

इस योजना का शुभारंभ 4 अक्तूबर, 2025 को किया गया था। वित्तीय-वर्ष 2025-26 के दौरान यह योजना तैयारी चरण में रही। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) द्वारा सचिव, एमएसडीई की अध्यक्षता में राष्ट्रीय संचालन समिति (एनएससी) का गठन किया गया है, जो योजना के लिए समग्र दृष्टिकोण प्रदान करने, व्यापक नीतिगत दिशा निर्धारित करने, प्रचालनरत दिशानिर्देशों को अंतिम रूप देने तथा योजना की निगरानी हेतु शीर्ष निकाय के रूप में कार्य करती है। इस योजना के अंतर्गत आईटीआई के उन्नयन हेतु निधियों को जारी करना विशेष प्रयोजन साधन (एसवीपी) के गठन पर निर्भर करता है। एमएसडीई योजना के कार्यान्वयन के विभिन्न पहलुओं पर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सहयोग तथा मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु आवश्यक परामर्श कर रहा है। वर्तमान में, आईटीआई के उन्नयन से संबंधित प्रस्ताव राज्य

संचालन समितियों से राष्ट्रीय संचालन समिति (एनएससी) के विचारार्थ अथवा अनुमोदन हेतु अभी तक प्राप्त नहीं हुए हैं।

यह उल्लेखनीय है कि मंत्रालय ने राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को आगे बढ़ने में सक्षम बनाने हेतु महत्वपूर्ण प्रगति की है। 35 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने क्लस्टरों की पहचान कर ली है, 32 ने राज्य संचालन समितियों का गठन कर लिया है, 25 ने राज्य बजट शीर्ष सृजित किए हैं, 19 ने एआईपी हेतु रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) जारी किए हैं तथा 12 ने उद्योग की अभिरुचि आमंत्रित करने हेतु प्रस्ताव हेतु अनुरोध (आरएफपी) जारी किए हैं।

(ख) एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग एवं कॉमिक (एवीजीसी) क्षेत्र को प्रोत्साहित करने हेतु माध्यमिक विद्यालयों में 15,000 कंटेंट क्रिएटर लैब्स की स्थापना का प्रस्ताव केंद्रीय बजट 2026-27 के पैरा 60 के अंतर्गत घोषित किया गया है। इन प्रयोगशालाओं की स्थापना हेतु माध्यमिक विद्यालयों तथा 500 महाविद्यालयों में सहयोग प्रदान करने के लिए भारतीय सृजनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी), मुंबई को नोडल संस्थान के रूप में नामित किया गया है।

(ग) सेमीकंडक्टर तथा हरित हाइड्रोजन उद्योगों की उभरती आवश्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रीय कौशल अर्हता कार्यढांचा (एनएसक्यूएफ) को समायोजित करने हेतु निम्नलिखित उपाय किए गए हैं:

i. कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के अंतर्गत प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) द्वारा शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) के तहत एनएसक्यूएफ-अनुरूप दो पाठ्यक्रम विकसित किए गए हैं, जिनके माध्यम से औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) तथा राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) में प्रशिक्षण प्रदान कर सेमीकंडक्टर एवं हरित हाइड्रोजन उद्योगों की उभरती आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सके। इनका विवरण निम्नानुसार है:

| **क्र.सं.** | **पाठ्यक्रम का नाम** | **प्रवेश हेतु योग्यता** | **अवधि** | **एनएसक्यूएफ़ स्तर** |
|---|---|---|---|---|
| 1. | सेमीकंडक्टर तकनीशियन | 12वीं कक्षा की परीक्षा विज्ञान (भौतिकी और गणित) या समतुल्य विषयों के साथ उत्तीर्ण की हो। | एक वर्ष | 4.5 |
| 2. | ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन तकनीशियन | 10वीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण की हो। | एक वर्ष | 3.5 |

(ii) कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) द्वारा वित्तीय-वर्ष 2022-23 से कुशल भारत कार्यक्रम के अंतर्गत अपनी फ़्लैगशिप योजना प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 (पीएमकेवीवाई 4.0) का कार्यान्वयन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से

अल्पावधि प्रशिक्षण (एसटीटी) द्वारा कौशल प्रशिक्षण तथा पूर्व शिक्षण मान्यता (आरपीएल) के माध्यम से कौशलोन्नयन और पुनर्कौशलीकरण प्रदान किया जाता है। इस योजना का उद्देश्य युवाओं को सेमीकंडक्टर एवं हरित हाइड्रोजन से संबंधित कौशलों सहित उद्योग-संगत कौशलों से लैस कर उनकी रोजगार-योग्यता में वृद्धि करना है। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 4.0 के अंतर्गत, राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) द्वारा संबंधित मंत्रालयों तथा उद्योगों के परामर्श से विकसित एनएसक्यूएफ-अनुकूलित पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जिससे बाजार की प्रासंगिकता सुनिश्चित हो सके। यह योजना कृत्रिम मेधा/मशीन लर्निंग (एआई/एमएल), ड्रोन प्रौद्योगिकी, हरित हाइड्रोजन आदि क्षेत्रों में उद्योग 4.0 की आवश्यकताओं के अनुरूप नवीन एवं भावी कौशल आधारित जॉब रोलों पर केंद्रित है, जिससे उभरती बाजार-मांग और उद्योग की आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सके।

सेमीकंडक्टर तथा हरित हाइड्रोजन क्षेत्रों से संबंधित पाठ्यक्रमों के अंतर्गत पीएमकेवीवाई 4.0 में उपलब्ध जॉब रोलों का विवरण **अनुलग्नक-I** में दी गई है।

**अनुलग्नक-I**

दिनांक 01.04.2026 को पूछे जाने वाले राज्य सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4262 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक।

**सेमीकंडक्टर और हरित हाइड्रोजन क्षेत्रों से संबंधित पाठ्यक्रमों में पीएमकेवीवाई 4.0 के अंतर्गत जॉब रोलों का विवरण (दिनांक 31.12.2025 की स्थितिनुसार ):**

| योजना | क्षेत्र | जॉब रोल के नाम |
|---|---|---|
| पीएमकेवीवाई 4.0 | इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर | वीएलएसआई डिज़ाइन इंजीनियर |
| पीएमकेवीवाई 4.0 | इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर | एम्बेडेड फुल-स्टैक आईओटी एनालिस्ट |
| पीएमकेवीवाई 4.0 | इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर | एम्बेडेड प्रोडक्ट डिज़ाइन इंजीनियर - टेक्निकल लीड |
| पीएमकेवीवाई 4.0 | इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर | एम्बेडेड सॉफ्टवेयर इंजीनियर |
| पीएमकेवीवाई 4.0 | ग्रीन जॉब्स | ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट उद्यमी |
| पीएमकेवीवाई 4.0 | ग्रीन जॉब्स | ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट जूनियर टेक्नीशियन - पावर सोर्स |
| पीएमकेवीवाई 4.0 | ग्रीन जॉब्स | ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट जूनियर टेक्नीशियन (विलवणीकरण) |
| पीएमकेवीवाई 4.0 | ग्रीन जॉब्स | ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट जूनियर टेक्नीशियन - स्टोरेज |
| पीएमकेवीवाई 4.0 | ग्रीन जॉब्स | ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट जूनियर टेक्नीशियन - इलेक्ट्रोलाइज़र |
| पीएमकेवीवाई 4.0 | ग्रीन जॉब्स | ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट टेक्नीशियन |
| पीएमकेवीवाई 4.0 | हाइड्रोकार्बन | ग्रीन हाइड्रोजन पर एडवांस्ड कोर्स |
| पीएमकेवीवाई 4.0 | हाइड्रोकार्बन | ग्रीन हाइड्रोजन की अवधारणाएँ |
| पीएमकेवीवाई 4.0 | हाइड्रोकार्बन | ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट सुपरवाइज़र |

*****